



कार्यालय, राष्ट्रीय सेवा योजना शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, रायगढ़ गढ़उमरिया, ओड़ीसा रोड़, रायगढ़ (छ.ग.)



कार्यक्रम समन्वयक Mob. No. 9977443641

E-mail :- nsscoordinatorsnpv@gmail.com

क्रमांक 413/रा.से.यो./2022
प्रति,

रायगढ़, दिनांक 14/11/2022

प्राचार्य/कार्यक्रम अधिकारी
समस्त रासेयो. युक्त महाविद्यालय/विद्यालय
शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, रायगढ़ (छ.ग.)

विषय:- "आजादी का अमृत महोत्सव" के अंतर्गत संविधान दिवस - 2022 आयोजन - संबंधी।

संदर्भ:- 1. क्षेत्रीय रासेयो. निदेशालय, भोपाल का पत्र क्रमांक F.No.P.15/NSS/RD/MP-CG/2022-23/2495-
2517 Date : 10th November, 2022

उपरोक्त विषयांतर्गत सन्दर्भित पत्र के तारतम्य में लेख है कि प्रति वर्ष भारत सरकार, संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा संविधान दिवस का आयोजन किया जाता है। संदर्भित पत्रों के निर्देशानुसार 26 नवम्बर 2022 का संविधान दिवस पर राज्य की समस्त राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों में ऑफलाइन/ऑनलाइन माध्यम से अधिकतम गतिविधियों का आयोजन किया जाना है। संविधान दिवस 2022 मनाने हेतु संलग्न पत्र में दिए गए विषयों/थीम के अनुसार गतिविधियों का आयोजन किया जाना है।

इसी क्रम में उपरोक्त गतिविधियों के अतिरिक्त रा.से.यो. इकाइयों द्वारा संविधान दिवस के दौरान विधिवत संविधान की प्रस्तावन पढ़ना सुनिश्चित करें और भारत - लोकतंत्र की जननी/ India - the Mother of Democracy विषय पर प्रश्न मंच का आयोजन किया जाना है साथ ही संविधान का महत्व पर क्लास/Class में व्याख्यान एवं आमजन में जागरूकता फैलाने के लिए प्रदर्शनी, जागरूकता रैली, दीवार लेखन, स्लोगन, निबंध लेखन, पोस्टर, चित्रकला, नुक्कड़ नाटक आदि गतिविधियों के माध्यम से संविधान जागरूकता के लिए का कार्यक्रमों का आयोजन किया जा सकता है।

अतः अपने महाविद्यालय/विद्यालय के रासेयो. इकाइयों में "आजादी का अमृत महोत्सव" के अंतर्गत संविधान दिवस के लिए संलग्न पत्रानुसार उल्लेखित विभिन्न विषयों को शामिल करते हुए कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित करते हुए संक्षिप्त रिपोर्ट फोटोग्राफ विडियो क्लिप, क्षेत्रीय निदेशालय भोपाल (म.प्र.) का मेल bhopal-nss@nic.in एवं Whatsapp नम्बर 7745963763 और शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, रायगढ़ (छ.ग.) राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। तथा साथ ही कार्यक्रम/गतिविधियों का सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार भी करना सुनिश्चित करें।

संलग्न:- उपरोक्तानुसार।

डॉ. सुशील कुमार एक्का
कार्यक्रम समन्वयक, रासेयो.
शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, रायगढ़
जिला - रायगढ़ (छ.ग.)
रायगढ़, दिनांक 14/11/2022

पृ.क्रमांक 414/रा.से.यो./2022
प्रतिलिपि:-

1. क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय सेवा योजना, क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल (म.प्र.) को सादर सूचनार्थ।
2. राज्य एन. एस. एस. अधिकारी व पदेन उपसचिव छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय, नवा रायपुर (छ.ग.) को सादर सूचनार्थ।
3. कुलपति के निज सचिव को माननीय कुलपति महोदय के सादर सूचनार्थ।
4. जिला संगठक रासेयो. जिला-रायगढ़ एवं जांजगीर-चांपा (छ.ग.) को आवश्यक कार्यवाही हेतु सूचनार्थ।
5. कार्यालयीन प्रति।

डॉ. सुशील कुमार एक्का
कार्यक्रम समन्वयक, रासेयो.
शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, रायगढ़
जिला - रायगढ़ (छ.ग.)

भारत सरकार/Government of India

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय / Ministry of Youth Affairs & Sports

राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय / Regional Directorate of NSS

ई - १/१२३, अरेरा कॉलोनी / E-1/123, Arera Colony,

भोपाल / Bhopal – 462016. मध्य प्रदेश – छत्तीसगढ़

F.No.P. 15/NSS/RD/MP-CG/2022-23/- 2495-2517

Date: 10th November, 2022

राज्य एनएसएस अधिकारी,

1. मध्य प्रदेश
2. छत्तीसगढ़

विषय:- “आज़ादी का अमृत महोत्सव” के अंतर्गत ‘संविधान दिवस - 2022’ आयोजन – संबंधी ।

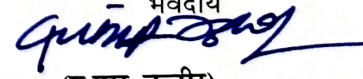
- संदर्भ:- 1. भारत सरकार, राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशालय, नई दिल्ली के अ.शा. पी.24-1/रासेयो/निदेशा/2022/943-958 दिनांक 10 नवम्बर, 2022 (संलग्न) ।
2. सचिव, भारत सरकार, संसदीय कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली के D.O. No. 15/17/2022-Admn, 9th November, 2022 (संलग्न) ।

आपको विदित है कि प्रति वर्ष भारत सरकार, संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा संविधान दिवस का आयोजन किया जाता है। संदर्भित पत्रों के निर्देशानुसार 26 नवम्बर 2022 को ‘संविधान दिवस’ पर राज्य की समस्त राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों में ऑफलाइन / ऑनलाइन माध्यम से अधिकतम गतिविधियों का आयोजन किया जाना है। ‘संविधान दिवस - 2022’ मानाने हेतु संलग्न पत्र में दिए गए विषयो / थीम के अनुसार गतिविधियों का आयोजन किया जाना है।

इसी क्रम में उपरोक्त गतिविधियों के अतिरिक्त रा.से.यो. इकाइयों द्वारा ‘संविधान दिवस’ के दौरान विधिवत संविधान की प्रस्तावना पढ़ना सुनिश्चित करें और “भारत – लोकतंत्र की जननी/India – the Mother of Democracy” विषय पर प्रश्नमंच का आयोजन किया जाना है साथ ही संविधान का महत्व पर क्लास / Class में व्याख्यान एवं आमजन में जागरूकता फैलाने के लिए प्रदर्शनी, जागरूकता रैली, दीवार लेखन, स्लोगन, निबंध लेखन, पोस्टर / चित्रकला, नुक्कड़ नाटक आदि गतिविधियों के माध्यम से संविधान जागरूकता के लिए कार्यक्रमों का आयोजन किया जा सकता है।

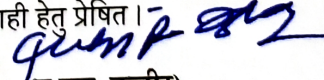
अतः आपसे अनुरोध है कि अपने राज्य के क्षेत्रान्तर्गत आने वाली समस्त रा.से.यो. इकाइयों में ‘संविधान दिवस’ आयोजन के लिए आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें एवं रा.से.यो. इकाइयों द्वारा ‘संविधान दिवस’ के आयोजन उपरांत कार्यक्रम का प्रतिवेदन / रिपोर्ट (फोटोग्राफ्स, वीडियो क्लिपिंग, समाचार पत्रों की कतरने सहित) इस कार्यालय को मेल: bhopal-nss@nic.in एवं Whatsapp नंबर 7745963763 पर अनिवार्य रूप से भेजना सुनिश्चित करें, जिससे की समेकित रिपोर्ट निदेशालय को समयसर भेजी जा सके। साथ ही आयोजित कार्यक्रमों को राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी सोशल मीडिया माध्यमों पर अधिक से अधिक #SamvidhanDiwas #IndiaMotherOfDemocracy का उपयोग करते हुए प्रचार-प्रसार एवं अपलोड करना सुनिश्चित करें।

संलग्न: उपरोक्तानुसार।

भवदीय

 (ए एस कबीर)
 क्षेत्रीय निदेशक

प्रतिलिपि:

1. निदेशक, भारत सरकार, राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशालय, नई दिल्ली की ओर सूचनार्थ।
2. कार्यक्रम समन्वयक, रा.से.यो. समस्त विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ की ओर उचित कार्यवाही हेतु प्रेषित।


 (ए एस कबीर)
 क्षेत्रीय निदेशक

SUB -THEMES:

- (i) Archaeological evidences and democratic roots in Bharat;
- (ii) Examples of *loktanrika-parampara* in literature;
- (iii) Rigveda and roots of Bhartiya *loktanrika-parampara*;
- (iv) *Sabha* and *Samiti*: exploring Bhartiya democratic traditions;
- (v) *Dharma-Sutras* and *loktantra*;
- (vi) *Upanishads* and *Parishad*;
- (vii) Exploring *Dharama* as *loktanrika-parampara*;
- (viii) Kautilya's Arthshastra and Bhartiya *loktantra*;
- (ix) *Gana-Janpadas* and *Janatantra* during ancient period;
- (x) Epigraphical sources and *loktanrika-parampara*;
- (xi) Bhartiya *Kala*, Epigraphs and *loktantrik* traditions;
- (xii) Lichchhavi *Gana-rajya* and *loktantra*
- (xiii) *Bhakti* and democratic traditions;
- (xiv) local institutions/*khaps* and *loktanrika-parampara*; and,
- (xv) any other subject related to the main theme.



D.O. No. 15/17/2022-Admn.

Date: 09 November, 2022

Dear Secretary,

As you are aware, the Samvidhan Diwas (Constitution Day) is celebrated every year on 26th November to commemorate the adoption of the Constitution of India as *Jan Bhagidari* and to honour and acknowledge the contribution of Founding Fathers of the Constitution. This year the Constitution Day is being celebrated on 26th November on the subject of "India- the Mother of Democracy / भारत – लोकतंत्र की जननी". A copy of concept document from Indian Council of Historical Research (ICHR), Ministry of Education, Govt. of India, is enclosed.

All Ministries / Departments are requested to participate in these celebrations on a mega scale with great fervor befitting the occasion. In this context, a program / list of activities may be finalized by your Ministry/Department *inter-alia* including the following:-

- Suitable instructions may kindly be issued to all offices / Attached Offices / Autonomous Bodies / Subordinate Offices / Organizations / Institutions etc. under your jurisdiction for reading the Preamble on 26th November, 2022 and participation in Online Quiz on " India –the Mother of Democracy / भारत – लोकतंत्र की जननी " in run up to the event.
- Webinars / programmes / workshops may be organized befitting the occasion. Activities undertaken may be given wide publicity through Social Media / Print Media by using #SamvidhanDiwas and #IndiaMotherOfDemocracy and reports thereof may be uploaded on the portal (constitutionquiz.nic.in/MPAEvents/Login.aspx)

This Ministry has developed two web-portals which are accessible to everybody and anyone can participate and get certificates of participation :

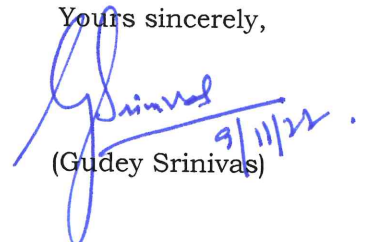
- Online reading of Preamble to the Constitution in 22 Official Languages and English (readpreamble.nic.in);
- Online Quiz on India – the Mother of Democracy / भारत – लोकतंत्र की जननी (constitutionquiz.nic.in).

All officers/ officials and other stakeholders may please be requested to have maximum participation with their families and friends on above portals.

Finally, I seek your cooperation for ensuring the success of Constitution Day celebrations.

With Regards,

Yours sincerely,


(Gudey Srinivas) 9/11/22

To,

All Secretaries to the Government of India.

Concept Note by ICHR

‘Bharat: Loktantra ki Janani’

The idea of Bharat needs to be cherished as there are millions and millions of Indians across the globe since times immemorial. It is so because Bharat and its 'Loktantra' have influenced as well as confluenced civilizations across the world. It made the world to know that the 'Lok' and its 'Tantra' are very symbiotic and complement each other to grant good governance. It is from this land of Bharat, that this spontaneous culture of serving the masses has made its origin.

A distinction needs to be drawn between *Praja-Tantra*, *Jana-Tantra*, and *Loka-Tantra*. One is a straight translation of the political system known as 'Democracy', the second is 'people versus the ruler(s) oriented system', and the third is 'a community-system oriented towards the welfare of the community'.

There are three dimensions of people's polity, a system of governance broadly referred to as 'Democracy': (i) limits on the 'Ruler(s)'; (ii) accountability of the 'Ruler(s)'; (iii) people's direct or indirect participation in governance and/or their rights of self-governance.

In India, from the Vedic times itself, two kinds of states, janapada and rajya have been in existence. The Indian experience evolved its own form of governance at the levels of the village and the central polity: (i) the federal/central political structures were delinked from the life of the community (village communities), and consequently (ii) village communities became self-governing and autonomous, and (iii) developed a hierarchy of self-governing institutions, such as Panchayat and Khaps, that enabled them to remain unaffected by and large by the changing kingdoms/ empires particularly those of the invaders hostile to Hindu culture.

This explains the survival of Hindu culture and civilisation in the face of 2000 years of invasions by alien ethnicities and cultures. This became possible because the Hindu mind from the beginning addressed the central question of how to weld this vast multiplicity that is India into a single larger community and from ancient times a geo-cultural definition has been given to this entity, *rashtra*, *Bharata* -- The country which lies to the south of the Himalayas and the north of the oceans is called *Bharata* and the *Bharatiyas* are the people of this country.

Democratic system in Bharat has evolved over the ages. There are ample archaeological, literary, numismatic, epigraphical, bhakti, and so on, evidences which emphasis on the Loktantrik tradition of Bharat. The roots of people's self-governance also lie in India's Vedic period going back, vide the recent archaeological excavations at Rakhigarhi and Sanauli, to at least 5000 BCE, if not more.

Vedic literature talks of cosmic cohesion, harmony of existence. The Upanishads stress on fundamental unity, right to life and existence for all beings. Shrimad Bhagavad Gita emphasizes on knowledge, faith, action, virtue all synthesized in human conduct.

The Vedic term for law is *Dharman*. In this age in other parts of the world law meant 'eye for an eye'. A Vedic prayer notes: "If I play false may I lose the merit of all my religions performances, gifts of good deeds -- my life and even my progeny".

Dharman was the anchor of society. Compassion, empathy, non-violence were ways of life. Good character and moral action were fundamentals of Bhartiya society.

In the *Rigveda* there are several terms which were undoubtedly applied to non-monarchical institutions. The two assemblies called *Sabha* and *Samiti* formed an essential feature of the government. The term *Sabha* denotes "The people in conclave. The *Samiti* in the sense of an assembly of people is mentioned in the *Rigveda*. It appears the *Samiti* was an august assembly of a larger group of people for the discharge of tribal (i.e., political) business and was presided over by the King. Both these Assemblies exercised considerable authority and must have acted as healthy checks on the power of the kings. Great importance was attached, not only to the concord between the king and the assembly but also to a spirit of harmony among members of the Assembly. The last hymn of the *Rigveda* invokes such unity: "Assembly, speak together, let your minds be all of one accord... the place is common, common the assembly, common the mind so be their thought united..." (Ghosh, R. C. Majumdar, p.357). It is clear that the importance of these two bodies continued in later period as well.

Also, there is no doubt that the people played an important part in politics. Thus, stress is laid on the necessity of concord between the king and his electors in a passage in the *Atharvaveda*, which is a clear testimony of the prevalence of the system of election of the kings.

Simultaneously, it should be underlined that the Bhartiya context of governance had a crucial difference with other ancient political philosophies like say Greece and Rome. In India there was the constant emphasis on inner consciousness and the need to integrate with the totality of the Universe.

Another key difference that separates Bharat from other ancient civilizations is -- there was no concentration of the prestige of birth, influence of wealth and political office which made social organizations autocratic and aristocratic. There was no aristocracy in India like say in Greece. The Hindu state rarely presented that high degree of centralization associated with the Roman empire.

Nevertheless, in Hindu political theory, sovereignty rests in *Dharma* or law in the wider context. One of the most profound ideas in ancient Indian political philosophy is that power or the office of the king is only a trust.

India to the great surprise of the world with all its multiple plurality is today the world's largest successful working democracy is, because Indian people, infused with the spirit of equality, have had since the very Vedic times a *lokatantrika-parampara*.

SUB -THEMES:

- (i) Archaeological evidences and democratic roots in Bharat;
- (ii) Examples of *loktanrika-parampara* in literature;
- (iii) Rigveda and roots of Bhartiya *loktanrika-parampara*;
- (iv) *Sabha* and *Samiti*: exploring Bhartiya democratic traditions;
- (v) *Dharma-Sutras* and *loktantra*;
- (vi) *Upanishads* and *Parishad*;
- (vii) Exploring *Dharama* as *loktanrika-parampara*;
- (viii) Kautilya's Arthshastra and Bhartiya *loktantra*;
- (ix) *Gana-Janpadas* and *Janatantra* during ancient period;
- (x) Epigraphical sources and *loktanrika-parampara*;
- (xi) Bhartiya *Kala*, Epigraphs and *loktanrik* traditions;
- (xii) Lichchhavi *Gana-rajya* and *loktantra*
- (xiii) *Bhakti* and democratic traditions;
- (xiv) local institutions/*khaps* and *loktanrika-parampara*; and,
- (xv) any other subject related to the main theme.

अ.शा.पी.24 -1/रासेयो/निदेशा/2022/943-958

भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशालय
शिवाजी स्टेडियम , नई दिल्ली

दिनांक:10 नवम्बर ,2022

सेवा में,

क्षेत्रीय निदेशक
समस्त राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय


विषय : "आज़ादी का अमृत महोत्सव" संविधान दिवस,2022 आयोजन -संबंधी

महोदया/महोदय,

उपरोक्त सन्दर्भ में मंत्रालय के मेल दिनांक 10 नवम्बर,2022 एवं संसदीय कार्य मंत्रालय के डी.ओ. पत्र स. 15/17/2022- प्रशा. दिनांक 9 नवम्बर,2022 (संलग्न) में दिए गए दिशा निर्देशों के अनुसार दिनांक26 नवम्बर,2022को अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली समस्त राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों में संविधान दिवस का आयोजनकराने का कष्ट करें व गतिविधियों की रिपोर्ट समयसर निदेशालय को भेजना सुनिश्चित करें ताकि संकलित रिपोर्ट मंत्रालय को भेजी जा सकें। ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी(Quiz) एवं संविधान की प्रस्तावना पढने के लिए वेबसाइट की जानकारी संलग्न है

आयोजित कार्यक्रमों को राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी सोशल मीडिया माध्यमों पर अधिक से अधिक अपलोड करना भी सुनिश्चित करें।

भवदीय


(डॉ. कमल कुमार कर)
सहायक कार्यक्रम सलाहकार

संलग्नक: यथोक्त

प्रतिलिपि-

निदेशक,राष्ट्रीय सेवा योजना,युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ,नई दिल्ली